महत्वपूर्ण

वन एवं ग्राम्य विकास आयुक्त शाखा
उत्तरांचल शासन

संo: 1229/व.ग्रा.वि./2001 देहरादून: 04/08, 2001

समस्त विभागाध्यक्ष (नाग से)

विषय : समस्त विभागाध्यक्षों के वार्षिक मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण बिन्दु ।

नए राज्य की प्राथमिकताओं को देखते हुए वन एवं ग्राम्य विकास शाखा के अन्तर्गत आने वाले सभी विभागाध्यक्षों/ प्रभारी विभागाध्यक्षों के वार्षिक मूल्यांकन के कुछ विशिष्ट बिन्दु निम्नवत् निश्चित किये जाते हैं :

उत्तरांचल औषधीय पादप बोर्ड के कार्य :

1.1 विभागाध्यक्ष/ प्रभारी विभागाध्यक्ष द्वारा अपने विभाग से संबंधित कितने विकास परियोजनाओं की संरचना की गयी जिनका वित्त पोषण बैंकों और राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं अथवा मंत्रालयों से संभव हुआ ?

1.2 अपने विभाग से संबंधित मंत्रालयों द्वारा संचालित परियोजनाओं और योजनाओं से उन्होने कितनी परियोजनायें राज्य के पक्ष में प्राप्त की और कितनी नई परियोजनाओं को उनके द्वारा नए राज्य में प्रारंभ कराया गया, जो इसके पहले राज्य में क्रियान्वित नहीं होती थी ?

1.3 स्वरोजगार और गरीबी उन्मूलन के प्रमुख कार्यक्रम स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना तथा अन्य स्वरोजगार योजनाओं से अपने विभागीय गतिविधियों को बढ़ाने में विभागाध्यक्ष द्वारा क्या ठोस कार्य किये गये और शाखा के अन्तर्गत अन्तर्विभागीय संबंधों को सुदृढ करते हुए इस प्रकाश के ताल-मेल के आधार पर कितनी नई परियोजनायें उनके द्वारा प्रारंभ की गयी, सफलतापूर्वक क्रियान्वित की गई ?

2. उपरोक्त 3 बिन्दुओं के अवलोकन से स्पष्ट होगा कि इस वर्ष और आने वाले कुछ वर्षों में विभागाध्यक्षों/ प्रभारी विभागाध्यक्षों के कार्यों का मुख्य रूप से मुल्यांकन नई परियोजनाओं को बनाने, अतिरिक्त संसाधन जुटाने तथा अन्तर्विभागीय समन्वय को सुदृढ करने पर रहेगा ।

3. इन बिन्दुओं पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कई अवसरों पर बल दिया गया है और इसे अब औपचारिक रूप से इस आशय से प्रेषित किया जा रहा है जिससे अभी तक जो विभागाध्यक्ष/प्रभारी विभागाध्यक्ष इस दिशा में बिल्कुल निष्क्रिय हैं वह अविलम्ब इन बिन्दुओं पर गंभीरता से क्रियान्वयन प्रारंभ कर लें ।

4. निर्धारित भ्रमणों और भ्रमणोपरान्त कार्यवृत्त को प्राप्त करने की स्थिति भी अत्यन्त शिथिल पाई गई है, विभागाध्यक्षों और प्रभारी विभागाध्यक्षों को इस पत्र के माध्यम से अन्तिम रूप से सचेत किया जाता है कि वे निर्धारित भ्रमणों को करने के अतिरिक्त ऐसे किये गये भ्रमणों का सूक्ष्म कार्यवृत्त भी अधोहस्ताक्षरी को समय से प्रेषित करना सुनिश्चित करें ।

(डा0 आर0 एस0 टोलिया)
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त
वन एवं ग्राम्य विकास

प्रतिलिपि :

1. समस्त सचिव, वन एवं ग्राम्य विकास आयुक्त शाखा को सूचनार्थ एवं अनुश्रवणार्थ
2. समस्त अपर सचिव, वन एवं ग्राम्य विकास आयुक्त शाखा को सूचनार्थ एवं अनुश्रवणार्थ ।
3. मुख्य सचिव, उत्तरांचल
4. सचिव मा. मुख्य मंत्री, उत्तरांचल
5. निजी सचिव, मा. वन/ग्राम्य विकास/कृषि/उद्यान मंत्री जी

(डा0 आर0 एस0 टोलिया,
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त
वन एवं ग्राम्य विकास